

OF

# PUBLISH., 3, 3, 10 JRITY

27] नई दिल्ल्की, शनिवार, जुलाई 3, 1971/म्रासाढ 12, 1893

27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 3, 1971/ASADHA 12, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सक

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भूम् II—लण्ड 3—उपलण्ड (i)

### PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोंड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों श्रौर (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के श्रन्तर्गत बनाये श्रौर जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के श्रादेश, उप-नियम श्रादि सम्मिलित हैं )।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

### MINISTRY OF LAW & JUSTICE

### (Department of Legal Affairs) Vidhi Karya Vibhag)

New Delhi, the 4th June 1971

G.S.R. 990.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 8B of Order XXVII of the First Schedule are the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 908), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Law No. G.S.R. 412, dated the 25th November, 1960:—

In the Schedule to the said notification, in item 5 relating to Kerala, for the entry in the second column against such item (a), the following entry snapsus substituted, namely:—

"Shri George Vadakkel, Central Government Standing Carriel High Court".

This notification shall come into force with effect from the 1st day of July, 1971.

..[No. F. 36(4)/71-J.]

A. S. CHAUDHRI, Jt. Secy. and Legal Adviser.

### विधि मंत्रालय

### (विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1971

सा० का० नि० 990.—-सिविल प्रिका। पंहिसा, 1908 (1908 का 5) को प्रसमं अनुसूची के प्रादेश 27 के नियम 8 अ के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त मक्ति में का प्रमोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, प्रधिसूचना सं० सा०का०नि० 1412, भारत सरकार, विधि मंत्रान्य, त रोख 25 नवन्वर 1960 में एतद्द्वारा निम्नलिखित अपर संशोधन करती हैं:——

उक्त ग्रिधसूचना की ग्रनुसूची में, केरल सश्त्री मद 5 में, उप-नद (क) के सामते द्वितीय स्तर-में की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, श्रयीस्:—

''श्री जार्ज वदक्केल, केन्द्रीय सरकार के स्थायी काउंसेल, उच्च न्यायालय''।

यह श्रिधसूचना 1 जुलाई, 1971 से प्रवृत्त होगी।

[स॰ फ॰ 36(4)/71-न्या॰]

ए० एस० चौध**री,** --सं*रु*क्त सचित्र श्रोर त्रिधि सलाहकार)

### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND W. H. AND U. D.

### (Department of Health)

New Delhi, the 4th June 1971

G.S.R. 991.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 30 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Lady Reading Health School, Delhi, Recruitment Rules, 190 namely:—

1. (1) These rules may be called the Lady Reading Health School, Del' Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Gazette.
- 2. In the Schedule to the Lady Reading Health School, Delhi, Recruitment Rules, 1962, for Serial No. 9 and the entries relating thereto the following No. and entries shall be substituted, namely:—

Scheduled Tribes candidates) provided that for the first two examinations to be conducted under this Scheme the upper age limit shall be 45 years (50 years for Scheduled Castes or Scheduled Tribes can-

didates).

senti al.

(c) At least 5 years' service in Class IV would be es-

Age Limit for direct recruit- ment only	For direct recruitment only Educational & other qualifications required	Period of probation if any	For promotion/ transfer whether age and other educational qua- lifications pres- cribed for direct rectt. will apply in case of apptt. by promotion/ transfer		Circumstances in stances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
10	11	12	13	14	IJ
18-21 years	I Matriculation or equivalent qualifications.  2 Minimum Speed of 30 words per minute in type-writing, provided:—  (a) that a person not possessing the said qualifications type-writing may be appointed subject to the conditional transfer of the condition in the grade till he acquires a speed of 30 worder minute in type-writing; and till he acquires a speed of 30 worder minute in type-writing; and till he acquires a speed of 30 worder minute in type-writing; and till he acquires a speed of 30 worder minute in type-writing; and till he acquires a speed of 30 worder minute in type-writing; and type-writing; and type-writing; and the condition that the Medical Board attached to the Special Employment Exchange for handicapped or where there is no such Board, the Civil Surgeon certifies that the said handicapped person is not in a fit condition to be able	in y y tion be ng e y ds d		Transfer of persons working on similar or equivalent grade from other Central Government Services	

to type,

**R** 2 3 4 5 6 7 8 9

(d) The maximum number of recruits by this method would be limited to 10% of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year unfilled vacancies would not be carried over.

(e) the class I V staff appointed on the basis of this examination are also required to pass the typing at a speed of 30 words per minute as it is in the case of a disect recruitment. The post of Lower-Division Clerk (Cashier) shall be filled from amongst permanent or quasi-permanent Lower Division Clerks who possess experience of accounts work.

SEC. 3(i)]	THE GAZE	TTE OF IN	DIA: JULY 3	, 1971/ASADHA	12, 1893	255 <b>7</b>
						===
10	11	12	13	14	15	

[No. F. 2-17/70-M.P.T.]
P. C. ARORA,
Under Secy.

### स्वास्थ्य ग्रौर परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून 1971

षी॰ एस॰ थार॰ 991.—संविधान के धनुष्छेद 309 के प्रारंतुक द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एत्वद्वारा लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल, दिस्ली, भर्ती नियम, 1963 में आगे और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामत:

- 1. (1) ये नियम लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल, दिल्ली भर्ती (संगोधन) नियम 1971 कहलाये जा सकते।
  - (2) ये सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।
- 2. लेडी रीडिंग हैल्थ स्कूल, नई दिल्ली, भर्ती नियम, 196,2, में कम संख्या 9 और उरुरें संबंध प्रविष्टियों के लिए निम्न कम संख्या और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, नामत

वेतनमान

2558

उसका वर्गीकरण क्या क्रमसं० पदकानाम राजपन्नित है ध्रथवा ग्रराजपत्निस श्रोर क्या धन्-सचिवीय है भ्रथवा **प्र**ननुमचिवीय **8** 1

पदों की सीधी भर्ती संख्या चयन संख्या वरिष्ठता द्वारा एवं पदी- उप-न्नति युक्तता

.1 :3 5.6 7 8 2 4

्रैं9 }ेनिम्न-'सामान्य के-1110-3--श्रेणी न्द्रीय सेवा, 131-4-**लिपिक**ं 155-द०रो-147-श्रेणी~III 175--0 - 4 -

धराजपन्नीय 5-180

**भ्रनु**सचिवीय

लिपिकों के ग्रेड में 10 प्रतिमत रिक्तियां चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (जो कि नियमित स्थापना में हों) के लिए भ्रारक्षित रहेंगी, बगर्ते कि वे निम्नांकित शर्ते पूरी करें।

प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा श्रौर उसके न होने

पर स्थानान्तरण द्वारा निम्न श्रेणी

(क) चयन एक विभागीय परीक्षा द्वारा किया जायेगा । यह परीक्षा केवल उन्हीं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियाँ तक सीमित होगी, जो कि निम्नतम शैक्षणिक योग्यता, यानी, मैद्रिक-कुलेशन या समकक्ष परीक्षा पास की

(ख) इस परीक्षा के लिए प्रधिकतम मायु 40 वर्ष (भ्रनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों क लिए 45 वर्ष) होगी । परन्तु इस योजना के अन्तर्गत जी पहली दो परीक्षाएं ली जाएगी उनके लिए

हो ।

केवल सोबो भर्नो के लिए वांछित परिवीका-ग्रेड 1 स्त्रोत पदो-जिनसे किन नान्तरम सीमा ंशीक्षागिकतथा श्रन्य धीन श्रवधि श्रति पदोन्नति स्थाना- पस्थितियों <sup>ग</sup>यदि 'स्थानान्तरण न्तरण /िकवा केवल सीधी योग्यताएं में भर्ती भर्ती के क़ोई 'क्या सीधी जाना है। करने में लिए हो । भर्ती के लिए संघ लोक निर्धारित सेवा श्राय ग्रीर श्रायोग श्रन्य से परा-गैक्षणिक मर्श किया योग्यतायें जाना पदोन्नति/ है स्थानान्तरण द्वाराकी गई निय्-क्ति पर भी लाग् होगी।

.9 1.0

11

12

दो वर्ष

13

14

15

18-21 1. मैंद्रिकुलेशन या समकक्ष योग्य-वर्ष तामें।

2. टाइपराइटिंग में 30 शब्द प्रति मिनट की निम्नतम गति।

परन्तृ इसमें शर्तयह है कि: (क्ष) जिस व्यक्ति के पास उक्त

टाइप रायटिंग की योग्यता नहीं है वह भी इस गर्त पर नि-युक्त किया जा सकता है कि वह बेतनमान में बेतन वृद्धि प्राप्त करने याग्रेड में स्थायीयत् या स्थायी होने का तब तक

अह टाइप राइटिंग में 30 शब्द प्रति मिनट की गति प्राप्त न करले ग्रीर

श्रधिकारी नहीं होगा जब तक

(ख) शारीरिक रूप से ग्रक्षम व्यक्तिको भी नियुक्त किया जा सकता है यदि यह ग्रन्यथा कर्लैरिकल पद पर काम करने कन्द्रीय सरकार की
प्रत्य सेवाम्रों में
समान या समकक्ष
भेड में काम कर रहे
व्यक्तियों की
स्थानान्तरण कर-

से भरा जायेगा।

**10** 11

13

12

14

15

क योग्य हो परन्तु कथित टाइपराइटिंग की योग्यता नहीं रखता। इसमें गर्त यह है कि प्रक्षम रोजगार कार्यालयों से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड या जहां इस प्रकार का बोर्ड नहीं हो बहां सिविल सर्जन द्वारा यह प्रमाणित किया जाय कि प्रमुक्ष ग्रक्षम व्यक्ति टाइप करने के योग्य नहीं है।

> [संब 2-17/70-एमःपी०दी०] पी० सी० श्ररोरा, श्रवर सचिव, भारत सरकार।

#### (Department of Health)

#### New Delhi, the 4th June 1971

G.S.R. 992.—Whereas certain draft rules, further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), at pages 2514 to 2518 of the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (1) dated the 9th August, 1969, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Department of Health), No. G.S.R. 1876, dated the 25th July, 1969, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 31st August, 1969;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 9th August, 1969.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 4 and sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

- 1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Second Amendment) Rules, 1971.
- 2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 3. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955:-
    - in rule 22, after item 22, the following item shall be inserted, namely:—
       "22A" Silver leaf (Food Grade 1 gram";
    - (2) in rule 26, sub-clause (a) shall be omitted;
    - (3) in rule 29, sub-clause (k) shall be omitted;
    - (4) for the rule 36, the following rule shall be substituted, namely:-
      - "36. Size of types used for declaration.—The type used for declaration shall be of such dimension that it shall be conspicuous to a reader and shall not be in any case less than 3 m.m. in height. The word 'Synthetic' whenever it is used shall be of the same size as used for the name of the product.":
    - (5) in rule 40, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely:—
      - "(3) Any fruit and vegetable product alleged to be fortified with vitamin C shall contain not less than 40 mgm of ascorbic acid per 100 gm. of the product.";
    - (6) in rule 50, in sub-rule (1),
      - (a) after clause (q), the following clause shall be inserted, namely:—
        "(r) silver leaf for human consumption,"
      - (b) for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:-
      - "Provided that the fruit products covered under Fruit Products Order, 1955, solvent extracted oils and edible flour covered under the Solvent Extracted Oils. De-oiled Meal and Edible Flour (Control) Order, 1967, and Vanaspati covered under the Vegetable Oil Products Control Order, 1947, shall be exempted from the above rule.";
    - (7) after Part XIV, the following shall be inserted, namely:-
      - "PART XV SOLVENT EXTRACTED OILS AND EDIBLE FLOUR
- 66. Definition of solvent-extracted oil.—Solvent-extracted oils means any vegetable oil obtained from oil-bearing material by the process of extraction by solvent.

- 67. Conditions of manufacture, stock and sale of solvent-extracted oil.—Themanufacture, stock and sale of solvent-extracted oil shall comply with the following conditions, namely:—
  - (1) The oil shall be manufactured only in factories licensed for the purpose under the Solvent-Extracted oil, De-oiled Meal and Edible Flour (Control) Order, 1967 (hereinafter referred to as the said Order in this Part).
  - (2) The oil-bearing materials subjected to the extraction process for the manufacture of solvent-extracted oil, and the solvent used in the said process, shall conform to the standards of quality laid down in subclauses (7) and (8) of clause 9 of the said Order.
  - (3) Only such grades and varieties of solvent-extracted oil may be manufactured, stocked or sold for the purpose of direct human consumption as have been permitted in sub-clause (1) of clause 9 of the said Order, and for the purpose of refining for direct human consumption or for use in the manufacture of vanaspati as have been permitted in sub-clause (2) of clause 9 of the said Order and these oils shall conform to the appropriate standards of quality prescribed therein.
  - (4) The oils shall be packed and labelled in accordance with the requirements under clause 11 of the said Order.
  - (5) The sale or movement of stocks of solvent-extracted oils other than of the "refined" grade, that is to say oil which has been neutralised, bleached and decodrised and conforms to the appropriate ständards of quality for such oil, shall be governed by the provisions of subclause (3) of clause 9 of the said Order. Such oil shall be sold or moved by the producer directly to industrial users thereof registered as such under the said Order, and not to any other person or through any third party.
- 68. Definition of solvent-extracted edible flour.—"Solvent-extracted edible flour" means the ground material obtained from specially-prepared de-oiled meal, that is the residual material left over when oil is extracted by a solvent from oilcake immediately following the single-pressing of good quality edible oilseeds.
- 69. Conditions of manufacture, stock and sale of solvent-extracted edible flour.—The manufacture, stock and sale of solvent-extracted edible flour shall be subject to compliance with the following conditions, namely:—
  - (1) The edible flour shall be manufactured only in factories licensed for the purpose under the said Order.
  - (2) The de-oiled meal from which the edible flour is prepared, and the solvent used in the extraction process, shall conform to the standards of quality laid down in sub-clauses (6) and (8) of clause 9 of the said Order.
  - (3) Only such grades and qualities of edible flour may be manufactured as have been permitted in sub-clause (6) of clause 9 of the said Order, and these shall conform to the appropriate standards of quality prescribed therein.
  - (4) The edible flour shall be packed and labelled in accordance with the requirements under clause 11 of the said Order.";
  - (8) in Appendix B---
    - (i) in item A.08.01,
      - (a) in sub-item (1) for the words "Coffea liberica of Coffea robusta" the words "Coffea liberica, Coffea excelsa or Coffea robusta" shall be substituted;
      - (b) in sub-item (5), the words and brackets "Coffee (Green, raw or unroasted)" shall be omitted;
    - (ii) in item A.14,
      - (a) in sub-item (d) in column 2, for the figures and words "35 per cent" the figures and words "32 per cent" shall be substituted;

- (b) in sub-item (e) in column 2, for the figures and words "1.3 per cent and not more than 2 per cent" the figures and words "1.0 per cent and not more than 2.2 per cent" shall be substituted;
- (c) in sub-item (f) after the words "Crude fibre", the words "determined on tea dried to a constant weight at 100°C" shall be added and in column 2, for the figures and words "15 per cent", the figures and words "17 per cent" shall be substituted;
- (iii) in item A.16.01, the following shall be added at the end, namely:-
  - "The total Soluble solids for sweetened fruit juice (except tomato juice) shall not be less than 10 per cent.";
- (iv) in item A.16.06:-
  - (a) in sub-item (a) for the words "onions, spices" the words "onions, garlic, spices" shall be substituted;
  - (b) after sub-item (c), the following shall be inserted, namely:—
    - "The product shall be free from skins and seeds. The product shall show no sign of fermentation when incubated at 37°C for 15 days. The mould count shall not exceed 40 per cent of the fields examined. The yeast and spores shall not exceed 125 per 1/60 c.m.m. The bacterial count shall not exceed 100 million per c.c.":
  - (c) for the figures and words "1.2 per cent", the figures and words "1.0 per cent" shall be substituted;
- (v) in item A.16.07,—
  - (a) for the brackets, letter and words, "(c) pectin in the form of fruit
    juice or pulp", the brackets, letter and words "(c) pectin derived
    from any fruit" shall be substituted;
  - (b) in sub-clause (c), the words "extraneous pectin" shall be omitted:
  - (c) the following shall be added at the end, namely:--
    - "It shall be free from mould growth, when dry fruit is used, it shall be clearly declared on the label"
- (vi) item A.16.08 shall be omitted:
- (vii) in item A.16.09; for the words "preservatives and colours", the words "preservatives, colours or pectin derived from any fruit" shall be substituted:
- (viii) item A.16.10 shall be omitted.
- (xi) in item A.16.11, the words "and vegetables" and "jaggery" shall be omitted;
- (x) in item A.16.12, the following shall be added at the end, namely:—
  "The minimum total soluble solids shall not be less than 15 per cent.

  The total acidity in terms of acetic acid shall not be less than 1.0 per cent.
- (xi) in item A.17.02,
  - (a) in sub-item (c) in column 2, for the figures "105" the figures '98' shall be substituted;
  - (b) after sub-item (e), the following shall be inserted, namely:-
    - "(f) There shall be no turbidity after keeping the filtered sample at 30°C for 24 hours";
- (xii) after item A.26.05, the following shall be inserted, namely:—
  - A.27.01 Silver leaf (chandi ka warq)—food grade—shall be in the form of sheets, free from creases and folds and shall contain not less than 99.9 per cent of silver.

[No. F. 14-100/66-PH.] K. SATYANARAYANA, Under Secv.

### (स्वास्थय विभाग)

# नई दिल्ली, 4 जून, 1971

सा० का० नि० 992:—-यतः खाद्य अयिभिश्रण निवारण नियम, 1955 में आगे और संशोधन करने के लिए कित्यय नियमों का प्रारूप जैसे कि खाद्य अपिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 उप धारा (1) में अपेक्षा की गई थी, भारत सरकार के राजपत भाग 2 खण्ड 3 उप खण्ड (1) दिनांक 9 धगस्त, 1969 के पृष्ठ संख्या 2518 से 2523 पर भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन तथा निर्माण आवास एवं नगर विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 1876 दिनांक 25 जुलाई, 1969 में प्रकाशित किया गया था, जिसमे इसस सम्भवतः प्रभावित होने वाले समी व्यक्तियों से 31 अगस्त, 1969 तक आक्षेत्र तथा सुझाव आमन्त्रित किये गये थे;

भीर यतः उक्त राजपत्र म्राम लोगों को 9 म्रगस्त, 1969 को मुलभ कराया गय था;

श्रौर यतः श्राम लोगों से प्रान्त आक्षयों श्रौर सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया ै ;

यतः अव, उक्त श्रिषित्यम की धारा 4 की उनधारा (2) तथा धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए के द्वीय सरकार खाद्य मानक समिति से परामर्ग करने के पश्चात खाद्य श्रापमिश्रण नियम, 1955 में श्रागे श्रीर संगोधन करने के लिए एनदक्कारा निम्नलिखित नियम बनाती है; नामतः

- 1. ये नियम सीधं अपिमश्रण निवारण (वितीय संशोधन) नियम, 1971 कहुलाये जा सकेंगे।
- 2. ये शासकीय राजपत्र मे अपने प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।
- 3. खाद्य ग्रपमिश्रण निवारण ियम, 1955 में:---
  - (1) नियम 22 में---

मद 22 के पश्चात निम्नलिखित मद ग्रन्त:स्थापित की जाथेंगी, ग्रयति

"22 क—-चांदी का वरक (फूड ग्रेड) 1 ग्राम"

नियम 26 में उप खण्ड (क) लुप्त कर दिया जायेगा ;

नियम 29 में उप खण्ड (ट) लु'त कर दिया जायेगा ;

- 4. नियम 36 क लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा प्रयति घोषणा के वैलिए प्रयोग में लाये जाने वाल 36 टाइप का आकार :—
  - "घोषणा के लिए प्रयोग में लाये जाने वाले टाइप का आयाम ऐसा होगा कि वह पाठक के लिए सहजदृश्य हो श्रीर वह किसी भी दशा में 3 मिली मीटर से कम ऊंचा नहीं होगा। शब्द "संशिलब्ट" जब कभी वह प्रयोग में आये, उसी आकार का होगा जो उत्पाद के नाम के लिए प्रयोग में लाया जाता है ।"
  - 5. नियम 40 में उप नियम (2) के पश्चात् ैनिम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया किया जायेगा , श्रर्थात्
    - "(3) किसी भी फल श्रीर सब्जी उत्पाद मे, जिसके लिए यह श्रभिकथित है कि वह विटामिन –सी–से पुष्ट है, उस उत्पाद के प्रति 110 ग्राम का कम से कम 40 मिली-ग्राम श्रन्तविष्ट ेंड्रोगा ।

6. नियम 50 के उप-नियम (1) में---

- ·<del>\_\_</del>\_
  - (क) खण्ड (घ) के पश्चात निम्नलिखित खण्ड भ्रन्तःस्थापित किया जायेगा, भ्रथीत् "(द) मानव उपभोग क लिए चांदी का विरक"
  - (ख) परन्तुक के लिए निम्नलिखित परन्तुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रयात्
    - "परन्तुक वे फल-उत्पाद जो फल उत्पाद आदेश, 1955 के अन्तर्गत आते हैं, विलायक निष्कर्षित तेल और खाने योग्य आटा, जो विलायक निष्कर्षित तेल और तेल रहित कृत आहार और खाने योग्य आटा (नियंत्रण) आदेश, 1967 के अन्तर्गत आते हैं, और वनस्पति, जो वनस्पति तेल उत्पाद नियन्त्रण आदेश, 1947 के अन्तर्गत आती है, उपयंक्त नियम से छट प्राप्त होगा।"
  - 7. भाग 14-के पश्चात निम्नलिखित भ्रन्तः स्थापित किया जायेगा, भर्चात् -"भाग 15 विलायक निष्कषित तेल भ्रौर खाने योग्य माटा;
- 66. विलायक निष्किवित तेल की परिभाषा विकायक जिल्ला तेल से वह धनस्पति तेल प्रभिन्नेत है जो तेल सम्पन्न पदार्थ में से विलायक द्वारा निष्कर्षण किया से ग्रमिन्नाप्त किया जाता है।
  - 67. विलार क निष्कवित तेल के विनिर्माण स्टाक झाँर विकय की शर्तेः

विलायक निष्किष्त तेल का विनिर्माण, स्टाक भौर विकय निम्नलिखित शर्तों के भध्यधीन होगा, भर्यात ---

- (1) तेल का विनिर्माण केवल उन्हीं कारखानों में किया जायेगा जो विलायक निष्किषितः तेल, तेल रहित कृत आहार और खाने योग्य आटा (नियंत्रण) आदेश, 1967 (जिसे इस भाग में इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है ) के अधीन इस प्रयोजन के लिये अनुज्ञापित हैं।
- (2) वे तेल सम्पन्न पदार्थ, जिन पर विलायक निष्कर्षित तेल के विनिर्माण के लियें निष्कर्षण प्रक्रिया की गई है, श्रीर उक्त प्रक्रिया को श्रयोग में लाये गयें विलायक उक्त श्रादेश के खण्ड 9 के उप-खण्ड (7) श्रीर (8) में श्रधिकथित क्वालिटी के मानकों के श्रनुरूप होंगे।
- (3) सीधे मानव उपभोग के प्रयोजन के लिये विलायक निष्किष्ति तेल की जो श्रेणियां ग्रीर किस्में उक्त ग्रादेश के खण्ड 9 के उप-खण्ड (1) में ग्रनुज्ञात की गई हैं, ग्रीर सीधे मानव उपभोग के लिये शोधन के प्रयोजन के लिये या वनस्पति के विनिर्माण में प्रयोग के लिये ऐसी जो श्रेणियां ग्रीर किस्में उक्त न्नादेश के खण्ड 9 के उप-खण्ड (2) में ग्रनुज्ञात की गई हैं, केवल उन्हीं श्रेणियों ग्रीर किस्मों का विलायक निष्किषित तेल उन प्रयोजनों के लिये विनिर्मित किया जा सकेगा, स्टाक में रखा जा सकेगा, या बेचा जा सकेगा ग्रीर ये तेल उक्त ग्रादेश में विहित क्वालिटी के समुचित मानकों के ग्रनुक्प होंगे।
  - (4) तेल उक्त झादेश के खण्ड 11 के झधीन की झपेक्षाओं के झासार पैक कियें जायेंगे झौर उन पर लेबिल लगाए जाएगें।

- (5) "शोधित" श्रेणी के विलायक निष्कषित तेल से भिन्न ऐसे तेल के धर्यात उस तेल के जो निष्णिक्य, विरंजित भौर निर्गेग्धीकृत किया गया है भौर ऐसे तेल की क्वालिटी के समुचित मानकों के धनुरूप हैं, स्टाकों का विक्रय भौर संचलन उक्त धादेश के खण्ड 9 के उप खण्ड (3) के उपबन्धों द्वारा शासित होगा । ऐसा तेल उत्पादक द्वारा सीधे उसके भौद्योगिक प्रयोगकर्ताधों को, जो उक्त धादेश के धधीन उस रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, न कि किसी धन्य व्यक्ति को, या किसी पर पक्ष की मार्फत, बेचा या संचलित किया जायेगा।
- 68. विलायक निष्कवित लाने योग्य झाटे की परीक्षा परिभावाः विलायक निष्किषित खाने योग्य झाटे से झिमप्रेत है वह पिसा हुआ पवार्य जो विशेष रूप से तैयार किये गये तेल रहित कुत आहार से प्राप्त हुआ हो, प्रर्थात वह अवशिष्टीय पदार्य जो उस समय बच जाये जब अच्छी क्वालिटी के खाने योग्य तिलहन के एकल वाब के तुरन्त पश्चात् तेल, विलायक द्वारा खली से निष्कित किया खाता है।
- 69. विलायक निःकवित लाने योग्य झाडे के विनिर्माण, स्टाक करने झौर विकय करने की कार्ते विलायक:—निष्कवित खाने योग्य झाडे का विनिर्माण, स्टाक करना झौर विकय निम्नलिखित शर्तों के झनुपालन के झध्यधीन होगा, झर्यात
  - (1) खाने योग्य झाटे का विनिर्माण उक्त झावेश के झधीन इस प्रयोजन के लिये झनु-ज्ञापित फैक्टरियों में ही होगा !
  - (2) तेल रहित कृत ब्राहार, जिससे खाने योग्य ब्राटा तैयार होता है , और निष्कर्षण प्रक्रिया में प्रयोग में लाया जाने वाला, विलायक उक्त ब्रादेश के खण्ड 9 के उप-खड़ों (6) और (8) में प्रधिकथित क्यालिटी के मानकों के ब्रनुरूप होगा ।
  - (3) केवल उन्हीं श्रेणियों ग्रौर किस्मों का खाने योग्य ग्राटा, विनिर्मित किया जा सकेगा जो उक्त ग्रादेश के खण्ड 9 के उप खण्ड (6) में ग्रनुकात है की गई है ग्रौर वे उस ग्रादेश में विहित क्वालिटी के समुचित मानकों के ग्रनुकप होंगी।
  - (4) खाने योग्य प्राटा उक्त प्रावेश के खण्ड 11 के प्रधीन की प्रपेक्षाप्रों के प्रनुसार पैक किया जायेगा प्रौर उस पर लेविल लगाये जायेंगे।
- (13) परिकाष्ट (ख) में---
  - (1) मदक 08.01 में,
    - (क) उप मद (1) में काफी लाई वेरिका या काफी रोवस्टा "शब्दों के लिये" "काफी लाई वेरिका, काफी एक्सेलसा या काफी लोवस्टा" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
    - (ख) उप मद (5) में काफी (हरी कच्ची या बिना भुनी शब्दों तथा कोष्ठक लुप्त कर दिये जायेंगे।
    - (।।) मद क-14 मे---
    - (क) स्तम्भ 2 उप मद (घ) में 35 प्रतिशत ग्रंक ग्रौर शब्द के लिये 32 प्रतिशत श्रंक ग्रीर शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

- (ख) स्तम्भ दों में उपभद (ड॰) में 1.3 प्रतिशत किन्तु 2 प्रतिशत से श्रधिक नहीं श्रंक श्रौर शब्दों के लिए 1.0 प्रतिशत किन्तु 2.2 प्रतिशत से श्रधिक नहीं श्रंक श्रौर शब्द प्रतिस्थापित किए जाग्रेंगे।
- (ग) उप मद (च) में कड़ारेंशा शब्दों के पण्चात जो 100 डिगरी सेन्टीग्रेड परस्थित वजन पर सुखाई गई चाय पर श्रवधारित हों शब्द जोड़े जायेंगे श्रौर स्तम्भ 2 में 15 प्रतिशत श्रंक श्रौर शब्द के लिये 17 प्रतिशत श्रंक श्रौर शब्द प्रतिस्थानित किए जायेंगे।

# (111) मद-क-16.01 में--

- (क) मधुरकृत फल के रस के लिये (टमाटर के रस को छोडकर) कुल विलयशील ठोस पदार्थ 10 प्रतिशत से कम नहीं होंगे
- (IV) मद क. 16.06 में ---
- (क) उप मद (क) में प्याज गरम मसाले शब्दों के लिये प्याज लहसुन गरम मसाले शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।
  - (ख) उप मद (ग) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा अर्थात्—
    "उत्पाद छिल्कों और बीजों से मुक्त हो। जब उत्पाद को 28-30 डिगरी
    सेन्टीग्रेंड भौर 37 डिगरी सें० ग्रेंड पर उर्भावित किया जाये तो उसमें किण्वन
    का कोई चिन्ह् दिखाई न पड़े। मोल्ड काउण्ट परीक्षित क्षेतों के 40 प्रितंशत
    से भ्रधिक न हो। खमीर और बीजाणु प्रति 1.60 घन मिली मीटर में 125
    से भ्रधिक न हों। जीवाणु संख्या प्रति धन सेंटी मीटर 10 करोड़ से श्रिष्ठिक
    न हों:
- (ग) 1.2 प्रतिशत श्रंक श्रौर शब्द के लिये 1.0 प्रतिशत श्रंक श्रौर शब्द प्रतिस्थापित
   किए जायेंगे।

मद-क--16 7 में,

(क) कोष्ठक श्रक्षर ग्रीर शब्दो (ग) फल के रस या गूदे के रुप में पैक्टिन के लिये कोष्ठक श्रक्षर ग्रीर शब्द (ग) किन्ही भी फलो से व्युत्पन्न वैक्टिन प्रति-स्थापित किए जायेगे।

श्रन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा अर्थात् जब सूबे फल उपभोग किए जाय तो वे फफूदी वृद्धि से मुक्त होगें–ऐसा लेवल पर स्पष्ट रूप मे श्रक्ति किया आयेगा।

- (vi) मद—क−16.08 लूप-करदी जाएगी
- (v11) मद-क-16.09 मे-अन्जात परीरक्षक श्रीर क

शब्द पौर रक्षक रग प्रथवा किन्ही भी फलो से व्युत्पन्न पैक्टिन प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(viii) मद-क-16.10 लप्त कर दी जायेगी ।

(ix) मद-क-16.11 में---

सिब्जिया शब्द ग्रीर "गड" शब्द लुप्त कर दिए जायेगे।

( ) मद-क-16.12 मे-अन्त मे निम्नलिखित जोडा जायेगा अर्थान-

"न्युनतम कुल विलयशील ठोस पदार्थ 15 प्रतिशत से कम नही होगे। कुल अम्लता, एसिटिक श्रम्ल के रूप में श्रभिव्यक्त-1.0 प्रतिशत में कम नहोगी"

- (xi) मद-क-17.02
- (क) स्तम्भ 2 में उप-मद (ग) में -"105" श्रंक के लिये "98" श्रंक प्रतिस्थापित किया जायेगा ।
- (ख) उप मद (ङ) के पश्चात निम्निलिखित श्रन्तः स्थापित किया जायेगा श्रथित—

  "(च) छने हुए नमूनो को 24 घन्टो तक 30 डिगरी सेन्टीग्रेड पर रखने के

  पश्चात उसमे कोई भी गन्दलापन न हो"
- (xiii) मद-क-26.05 के पम्चात निम्नलिखित श्रन्तः स्थापित किया जायेगा श्रयति-"क. 27 जाद्य मे प्रयुक्त चांची का वरक
  - (क) 27.01-पूड गेंड

चांदी का बरक पर्न के रूप मे हो ग्रीर शिकनो ग्रीर तहो से रहित हो तथा उसमें कम से कम 999 प्रतिशत चांदी हो।

[सं • एफ • 14-100 /66-जन • स्वा • ]

के० सस्यनारायण, भ्रवर सन्तित्र ।

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

#### (Transport Wing)

New Delhi, the 26th May 1971

- G.S.R. 993.—In exercise of the powers conferred by the proviso to criticle 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Master, Chief Engineer, Chief Officer and Assistant Engineer for the Motor Launch Service of the Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands Administration, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands Motor Launch Service (Class II posts) Recruitment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Officiali Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the age limit specified for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Central Government issued from time to time.

#### 5. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to sny of the said posts.

Provided that the Central Government may it satisfied that such marriage is to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from permissible under the personal law applicable to such person and the other party the operation of this rule.

6. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of personages.

SCHE

Recruitment Rules for the Posts of Master, Chief Engineer, in Ministry of Chief Officer and Assistant
and Transport (Transport Wing)

						•
Name of Post		f Classi- fication	Scale of pay	Whether Selection Post or non- Selection Post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required recruits.
	2	3	4	5	6	7
1. Master	I	General Central Service (Class II Gazetted Non- Ministerial			45 years (Relaxable for Gov- ernment Servants)	Certificate of Home Trade Master or Mate of foreign going ships or
			,			et discretion of the Union Fublic Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).
						Desirable:
						(i) Certificate of com- petency as Master of foreign going steam ship issued by the Ministry of Transport or equivalent.
						(ii) Some experience as a Master of foreign going Merchant ship.
2. Chief Engineer	1	General Central Service (Class II	Rs. 725—25— 825	- Selec- tion		Essential: Should be a holder of Deep sea going Engine Driver's Certificate (Motor)
		Gazetted Non- Ministeria	1)		Servants)	(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified)
						Desirable:
						Should have some exper- lence in the line.

DULE

Engineer, Laccadive, Minicoy and Aminidivi Islands in the Ministry of Shipping

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rcctt, whether by direct rectt, or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various method	tation transfer, grades from which promotion/depu- tation/transfer to be made	what is	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Age: No Ersential Qualifications: Yes	2 Years	Promotion: failing which, by direct recruitment	Promotion: Chief Officer with 7 years service in the grade rendered after appointment filleto on a regular basis	Depart- mental Promotion	mission (Exem-

No Age: Lisential Qualifications: Yes

2 Years

Promotion, failing which, by direct recruitment

Promotion: rendered after tion appointment there- Commito on a regular ttee basis

Promotion: Class II As required under
Assistant Engineer Depart- the Union Pubwith 7 years' ser- mental lic Service Com
vice in the grade Piomo- mission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

8	9	10		11	12	13
Not applicable	2 Year	Direct recruitment	Not appli	icable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption Consultation) Regulations, 1958
Not applicab	le 2 Year	Direct recruitment	Not	applicable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 195

[No. F. SY-36(7)/69.]

E. BALAKRISHNAN, Under Secy-

# जहाजरानी श्रौर परिवहन मंत्रालय

# (परिवहन स्कंष)

# नई दिल्ली, 26 मई, 1971

जी एस श्राप्त 993.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, लक्काद्वीय, मिनिकोय और अमीनदीयी द्वीप समूह प्रशासन की मोटर लांच सेवा के लिए मास्टर, मुख्य-इंजीनियर, मुख्य अधिकारी और सहायक इंजीनियर के पदों पर भर्ती की पदित को विनियमित करने वासे निम्नलिखित नियम एतद्दारा बनाते हैं, अर्थात्:—

- संसिष्त माम श्रौर प्रारम्भ .-- (1) इन नियमों का नाम लक्कादीव, मिनिकोय श्रौर श्रमीनदीवी द्वीप समूह मोटर लांच सेवा (वर्ग 2 पत) भर्ती नियम, 1971 होगा ।
  - (2) ये शासकीय राजपत में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- तरण् होना.— ने नियस इरासे उपागद धनुसूची के स्तस्थ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लाग् होंगे।
- ्. एड-संख्या वर्गीकरण धौर वेत्तगरात .-- उनत पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण धौर उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त धनुसुची के स्तम्भ 2 से 4 तथ में विनिर्दिष्ट हैं।
- यः सर्ती की एक्कि, आगु-लीगरा, श्रीर एक्ट श्रह्तें एं -- उक्त पदों पर मर्ती की पद्धति आयु-भीमाएं, श्रह्तेताएं श्रीर उनसे सम्बन्धित श्रन्य बातें वे होंगी जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भें 5 से 13 तक में विनिर्दिण्य हैं:--

्र त् सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विनिर्दिष्ट ग्रायु—सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा सप्तय-समय पर निकाल गए श्रादेशों के श्रनुसार किसी भी श्रनुसूचित जाति, श्रनुसूचित अनजाति या किसी श्रन्य विशेष प्रवर्ग के श्रभ्यायियों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी ।

- निरहंताएं .—वह व्यक्ति [:—]
- (भः) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

सेवा में नियुक्त का पान नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू विधि के श्रधीन श्रमुझेय है और ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार ∤मौजूद हैं तो यह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी। 6. शिथिल करने की शिवत .--जहां केन्द्रीय सरकार को राय हो कि ऐसा करना धायम्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके तथा सब लोक सेवा धायोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों/ पदों की बाबत, मादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

		<b>धन्</b> स्	ची	_		
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमात	चयन पद श्रयका श्रद्धा पद	वाले व्यक्ति	किए जाने तयों के लिए गयु
1	2	3	4	5		6
1. मास्टर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (वर्ग 2 राजपत्नित झनन् सचिवीय)	725—2 <b>5—</b> 825 ব৹	चयन	सेवकों के	र्गे (सरकारी लिए गिनिख सकती है)
सीमे भर्तीक वैक्षिक ग्रीर	-	•	ोधे भर्ती किए व वाले व्यक्तिये विहित भायु व मीक्षक महैता तो की दशा मे होगी या नहीं	किलिए गीर एंप्रोन्न—	परिचीक्षा मदिकोई	की कालाविव हो
		7	8	<del></del>	<del></del>	9
	स्टर या वि	वैक्ष जाने वाले पोत के या भारतीय नौसेना में	भायु-नहीं भावश्यक महेर	गएं–ह्रा	बो	वर्ष
	न के विवे	यों की दक्षा में संव लोक कामुसार ग्रहेताएं क्रियिल				
संक्षमता प्र विया गय	।माणपत्न जं गहो या	-				
	जाने वासे कुछ भनुष	व्यापारी पोत का मास्टर वि				

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीघे होगी या प्रोम्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिमत

प्रोम्नित/प्रतिनियुक्ति/ स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोम्नित/प्रतिनियुक्ति/ स्थानांतरण किया जाएगा यदि विभागीय प्रोम्नति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संख लोक सेवा ग्रायोग से परामर्श किया जाएगा

10

11

12

13

प्रोन्नति द्वारा भीर ऐसा न होने पर सीधी मर्ती द्वारा ।

प्रोन्नतिः
मुख्य प्रधिकारी में से जिसने
नियमित प्राधार पर प्रपनी
नियक्ति के पश्चात् उस
श्रेणी में 7 वर्ष की सेवा कर
ली हो।

वर्गे 2 विभागीय प्रोन्नति | समिति । संघ लोक सेवा म्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के मधीन यथा—-मपेक्षित।

1	2	3	4	5		6	
2. मुख्य इजीनियर	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (वर्ग 2, राजपत्नित, ग्रननुसचिवीय)	725-25- 825 ቼo	चयन	सेवको	वर्ष (सरक मिं के लिए वि जा सकती	
7			8		9		
	में जाने व	शले इंजन चालक	ध्रायुनही स्रावश्यक स्रर्ह	नाए हां	दो	वर्ष	
(ग्रन्थथा सुर्घा सेवा ग्राये शिथिल व <b>वांछनीय</b> :	ोग के कि की जा	ाणपत्र र्षियों की ६शा में संघ लो वेयेकानुसार श्रर्हताएं सकती हैं) । भित्र होना चाहिए।	•				
(ग्रन्थथा सुर्घा सेवा ग्राये शिथिल व <b>वांछनीय</b> :	हित श्र.भ्य ोग के कि की जा	र्षियों की दशा में संघ लोग वेवेकानुसार म्रर्हताएं सकती हैं) ।	<b>क</b>	2		13	

Sec. 3(i)]	THE GA	AZETTE OF INDIA:	JULY 3, 1971/	ASADHA	12, 1893 2581
1	2	3	4	5	6
3. मुख्य ग्रधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (वर्ग 2, श्रराज पत्तित श्रननुसचि वीय)।	375-20-575 ६० ।	चयन	35 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती हैं) ।
		7	8		9
<b>धावश्यकः</b> :		मता प्रमाणपत्न :	लागू नहीं होता		दो वर्ष
(भ्रन्यथा सुभ्रा	हत श्रभ्यर्षि ग के विवे	पयों की दशा में संघ लोक कानुसार श्रहेताएं शिथिल			
10		11	12		13
सीधी भर्ती			लागू नहीं हो		ा लोक सेवा श्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के ग्रधीन यथा— ग्रपेक्षित ।

1	2	3	4	5	6
4. सहायक इंजीनियर ।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा (वर्ग 2, घराज- पत्नित, घननुसचि- वीय) ।		न	35 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)।
7		<del></del>	8		9
का प्रमाणपत में नाविक ई भौर चलाने क सनुभव । (सन्यया सुप्रहिर लोक सेवा क	समुद्र में जाने वाले इंजन चालक (मोटर) का प्रमाणपत्न या समुद्र में जाने वाले जहाज में नाविक श्रीजल इंजनों को ठीक रखने ग्रीर चलाने का कम से कम तीन वर्ष का				षो वर्ष
10	<del></del>	11	12	<del></del>	13
सोधी भर्ती		लागू नहीं होता	लागू नहीं हो	— !ता	संघ लोक सेवा घायोग (परामर्ग से छट) विनियमों, 1958 के ग्रधीन यथा

[सं० एफ० एस बाई-36(7)/69] के० बालकृष्णन्, धवर संचिव ।

# (Transport Wing) Parts

New Delhi, the 5th June 1971

- G.S.R. 984.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Mangalore Harbour Project (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1966, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Mangalore Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment (Fourth Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Mangalore Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1966, under the heading "Part I: Class III posts", in the entries against serial number 23 relating to the post of "Auxiliary Nurse Midwife", in column 1, for the existing entry, the entry "Nurse" shall be substituted.

[No. F. 5-PE(31)/70.]

JASWANT SINGH, Under Secy.

# परिबह्म स्कंध पत्तन

नई दिल्ली, 5 जून, 1971

सा० का० नि० 994:--राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेद 309 के परन्तक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंगलौर बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 श्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1966 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए एतद्दारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रर्थात् :--

- (1) इन नियमों का नाम मंगलौर बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 पद) भर्ती (चतुर्थ संशोधन) नियम 1970 होगा।
- (2\*) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगें।
- 2 मंगलौर बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 प्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1966 की प्रनुसूची में 'भाग 1: वर्ग 3 पद'' शीर्षिक के नोचे, ''सहायक नर्स यात्री'' से संबंधित कम सं० 23 के सामने को प्रविष्टियों में; स्तंभ। में विद्यमान प्रविष्टि के लिए ''नर्स'' प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी।

[फा० 5-पी० ई० (31/70**)**]

जसवन्त किंह, ग्रवर सचिव।

#### SOOCHNA AUR PRASARAN MANTRALAYA

New Delhi, the 11th June 1971.

G.S.R.995.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Information Service Rules, 1959 namely :-

- I. (1) These rules may be called the Central Information Service (Third Amendment) Rules 1971.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2. In the Central Information Service Rules, 1959:—
    - (a) in Schedule I, the following entries shall be inserted, namely:—

"Ministry of Defence Directorate of Public

Relations

Sub Editor

(29 c nos.)

Information Assistant (3 nos.)

- (b) in Schedule II, after the entries relating to the office of the Directorate of Field Publicity the following entries shall be inserted, namely:-
  - "Ministry of Defence, Directorate of Public

Relations

Assistant Pubulic Relations Officer

(5 nos.)

Assistant Editor". (2 nos.)

- (c) in Schedule IV, after the entries relating to the office of the Registrar of News papers of India, the following entries shall be inserted, namely :-
  - "Ministry of Defence Directorate of Public

Relations

Public Relations

Officer

(9 nos.)

Information Officer. (I no.)

> Editor". (I no.)

(d) in Schedule V, after the entries relating to the office of the Directorate of Field Publicity the following entries shall be inserted, namely:—

"Ministry of Defence, Directorate of Public

Relations

Deputy Director

(Public Relations) . (I no.)

Assistant Director .

(Public Relations) (I no.)

Editor-in-Chief.

(Sainik Smachar) (1 no.)

[No. F. 1/6/67-CIS-Amendment No. 62]

D. R. KHANNA Up Sachiv,

### सचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

### नई दिल्ली, 11 जुन, 1971

**णी० एस० ग्रार० 9**95:—संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा केन्द्रीय सूचना सेवा नियमावली, 1959 में प्रतिरिक्त संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रर्थातु :---

- 1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय सूचना सेवा (तृतीय संशोधन) नियमाचली, 1971 कहा जा सकेगा।
  - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. केन्द्रीय सूचना सेवा नियमावली, 1959 में :---
- (क) परिशिष्ट-एक में निम्नलिखित प्रविष्टियां भन्तः स्थापित क़ी जाएंगी, भर्षातु :---'रक्षा मंत्रालय जन सम्पर्फ निदेशालय उप सम्पादन सूचना सहाय "; (संख्या 29) (संख्या 3)
  - (ख) परिशिष्ट-दो में क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय से संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिबित प्रविष्टियां भन्तः स्थापित की जाएंगी, श्रर्थात् :---

सहायक जन सम्पर्क भ्रधिकारी "रक्षा मंत्रालय जन सम्पर्क निदेशालय (संख्या 5) सहायक सम्पादक"; (संख्या 2)

> (ग) परिणिष्ट-चार में भारत के समाचारपत्नों के रजिस्ट्रार के कार्यालय से संबंधित प्रिश्न-ष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां भन्तः स्थापित की जाएंगी, प्रथीतु :--

"रक्षा मंत्रालय जन सम्पर्क निदेशालय जन-सम्पर्क श्रधिकारी (संख्या 9) सूचना ग्रधिकारी सम्पादक"; (संख्या 1)

(संख्या 1)

(घ) परिणिष्ट-पांच में क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय से संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां ग्रन्तः स्थापित की जाएंगी, ग्रर्थात् :---

उप निदेशक (जन सम्प**र्क** ) ''रक्षा मंत्रालय जन सम्पर्क निदेशालय (संख्या 1) सहायक निदेशक (जन सम्पर्क ) (संख्या 1) प्रधान सम्पादक (सैनिक समाधार) (संख्या 1)

[संख्या फा॰ 16/67-सी॰ ग्राई॰ एस॰-संशोधन संख्या 62]

देश राजखन्ना, उप समिव।

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (Department of Revenue and Insurance)

#### CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 3rd July 1971

- G.S.R. 996.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 51/70-Central Excises, dated the 1st March, 1970, namely:—

  In the said notification—

  (2) in the Schedule, for serial numbers 18, 19, 21 and 29 and the entries
  - (a) in the Schedule, for serial numbers 18, 19, 21 and 29 and the entries relating thereto, the following shall be respectively subtituted, namely:—
    - "18. Coin counting machines.
    - 18-A Coin weapping machines.
    - 19. Perforating machines.
    - 19-A. Stepling machines.
    - 21. Letter opening machines.
    - 21-A. Letter closing or sealing machines.
    - 29. Time recording machines.
    - 29-A. Attendence machines.";
    - (b) the following Explanation shall be inserted at the end, namely:-
      - "Explanation:—In the Schedule to this notification, office machine or apparatus icludes an office machine or apparatus which may, in addition to its own function, be used for performing the functions of two or more machine or apparatuses specified therein."

[No. 129/71.]

S. K. GHOSHAL, Under Secy.

#### वित मंत्रालय

# (राजस्व भ्रीर बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शल्क

नई दिल्ली, 3 जुलाई 1971

सार कार कि 996 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रिधसूचना सं 51 70 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख प्रथम मार्च, 1970 में एसद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रर्थात् :—

उक्त भ्रधिसूचना में---

- (क) कम सं 18, 19, 21 श्रौर 29 श्रौर उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर कमशः निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रयीत् :—
  - "18 सिक्कों की गिनती करने वाली मशीनें
  - 18क सिक्के लपेटने वाली मशीनों
  - 19 छेद करने वाली मशीनें

- 19क स्टैटिलंग मशीनें
- 21 पन्न खोलने वाली मशीनें
- 21-क पत्न बन्द करने वाली या उन पर मुहर लगाने वाली मशीनें
- 29 समय शभिलिखिट करने वाली मशीनें
- 29क हाजिरी की मशीने";
- (ख) अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रथति ---

"स्पथ्टीकरण:—इस म्रधिसूचना की म्रनुसूची में, कार्यालय मशीन या साधित्र के म्रन्तर्गत वह कार्यालय मशीन या साधित्र माता है जिसे, उसके भ्रपने कृत्यों के म्रतिरिक्त, उसमें विनिर्दिष्ट दो या म्रधिक मशीनों या साधित्रों के कृत्यों का पालन करने के लिए भी प्रयुक्त किया जा सके :"

[सं० 129/71]

एप के घोषाल, श्रवर सचिव।

